REET 2025 LEVEL-2

वंदन बैच

POLITY

उद्देशिका

LIVE 31-12-2024 07:00 PM

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक
संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य
बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए;
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

* हम भारत के लोग → भारत में जनता सर्वोपरी है।

→ संयुक्त राष्ट्र संघ

* संप्रभुत्व → भारत अपने आन्तरिक व बाह्य निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।

समाजवादी → देश के सभी संसाधनों पर सरकार का नियंत्रण है, किसी निजी व्यक्ति के पास नहीं।

पंथ निरपेक्ष / धर्म निरपेक्ष → भारत देश का कोई धर्म नहीं है, भारत सभी धर्मों को समान रूप से बढ़ावा देगा।

लोकतंत्र → जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा

गणतंत्र/प्रजातंत्र ⇒ देश का **सर्वोच्च नागरिक** जनता के द्वारा
प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

M. V. पायली व ठाकुर दास भार्गव ⇒ "प्रस्तावना संविधान कि आत्मा है"

K. M. मुंशी ⇒ "प्रस्तावना संविधान की राजनैतिक कुण्डली है"

N. A. पालकीवाला ⇒ "प्रस्तावना संविधान का परिचय है।"

* बेरूबाड़ी वाद - 1960 ⇒ प्रस्तावना संविधान का भाग नहीं है।

* केशवानन्द भारती केस - 1973 ⇒ सर्वोच्च न्यायलय अपने पूर्ववर्ती फैसले को बदलते हुए कहा की प्रस्तावना संविधान का भाग है, संसद इसमें संशोधन कर सकती है।

* 42वां संविधान संशोधन - 1976 ⇒ तत्त प्रस्तावना में संशोधन कर तीन शब्द जोड़े गये -
  - S ⇒ समाजवादी
  - P ⇒ पंथनिरपेक्षता
  - A ⇒ अखण्डता

प्रस्तावना

स्रोत
⇓
हम भारत के लोग

शासन का स्वरूप
Imp
1. संप्रभु
2. समाजवादी
3. पंथनिरपेक्ष
4. लोकतंत्रात्मक
5. गणराज्य / गणतंत्र

उद्देश्य
1. न्याय
   - सामाजिक
   - आर्थिक
   - राजनीतिक

   (रूसी क्रांति)
2. स्वतंत्रता
   - विचार
   - अभिव्यक्ति
   - विश्वास
   - धर्म
   - उपासना (पूजा)

③ समानता → प्रतिष्ठा
→ अवसर

④ बंधुता → राष्ट्र की एकता व अखण्डता

* स्वतंत्रता, समानता, बंधुता व गणराज्य ⇒ फ्रांस
* विश्व में सबसे पहले प्रस्तावना को USA में लागु किया था।
* प्रस्तावना की भाषा ऑस्ट्रेलिया से ली गई है।
* प्रस्तावना वाद योग्य नही है।